An Initiative of CollCom

Empowering Youth through Community Service

Registration Number-1710, Under Indian Trust Act 1882) Certified Under 12A and 80G of Income Tax Act 1961

Vol 4, Issue March 2023

CYBER संस्कार

साइबर अपराध के खिलाफ एक कदम

SPECIAL REPORT

Actress-turned-politician Nagma Morarji loses ₹1 lakh in KYC fraud after clicking on spam link

KYC FRAUD

विषय-सूची

KYC Fraud

- *परिचय*
- *फ्रॉड के विभिन्न तरीके*
- *सच्ची घटनाओं के माध्यम से फ्रॉड को समझना*
- *बचने के उपाय और सत्यता की जांच के तरीके*
- *फ्रॉड होने पर शिकायत कहाँ करे।*

'KYC UPDATE' करने के नाम पर ठगी का अंबार!

SPECIAL REPORT

KYC FRAUD!

क्या आप जानते हैं? वित्त वर्ष **2021/2022** में, KYC धोखाधड़ी ज्यादातर **शिक्षित और वेतनभोगी वर्ग** के लोगों के खिलाफ दर्ज की गई थी।

एक आंकड़े की माने तो 1 जनवरी, 2020 से 07 दिसंबर, 2022 तक (1,050 दिनों में) **16 लाख से अधिक** साइबर अपराध से जुड़े मामले दर्ज किए गए और पिछले तीन सालों में साइबर अपराध की **प्रतिदिन 1500 घटनाएं** सामने आए हैं ।

इतना बड़ा आंकड़ा देख के अचंभित होने की आवश्यकता नही है। साइबर क्राइम से जुड़े अधिकारी बताते हैं कि ठगी के शिकार होने वालों में **80 प्रतिशत संख्या शिक्षित लोगों** की है जिसमे डॉक्टर, इंजीनियर, व्यापारी, शिक्षक, सरकारी विभागों के कर्मचारी, पुलिस में तैनात अधिकारी व कर्मचारी, रिटायर्ड पुलिसकर्मी, वकील, नेता , अभिनेता/अभिनेत्री व प्रशासनिक अधिकारी शामिल हैं।

केवाईसी फ्रॉड क्या है?

केवाईसी का मतलब **"नो योर कस्टमर" (Know Your Customer)** अर्थात **अपने ग्राहक को जानिये** होता है। केवाईसी भारत में काम करने वाले सभी वित्तीय संस्थानों द्वारा ग्राहक की पहचान को पहचानने और प्रमाणित करने की **एक अनिवार्य प्रक्रिया है।** बैंक तथा वित्तीय कम्पनियां इसके लिए फॉर्म को भरवा कर इसके साथ कुछ पहचान के प्रमाण भी लेती हैं। जिसका फायदा **वर्तमान में साइबर अपराधी** फेक बैंक कर्मचारी बनकर आपको **कॉल/SMS के माध्यम** से केवाईसी के बहाने आपके **बैंक को खाली** कर रहे है।

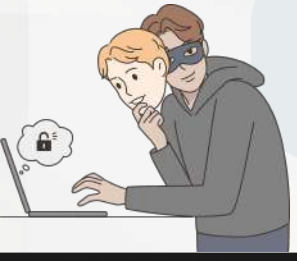

KYC फ्रॉड के विभिन्न तरीके

विशिंग (कॉल के माध्यम से)

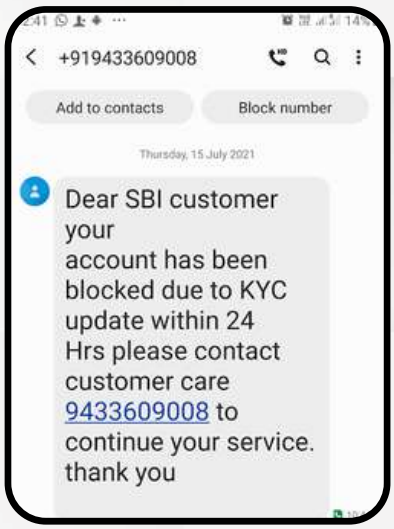

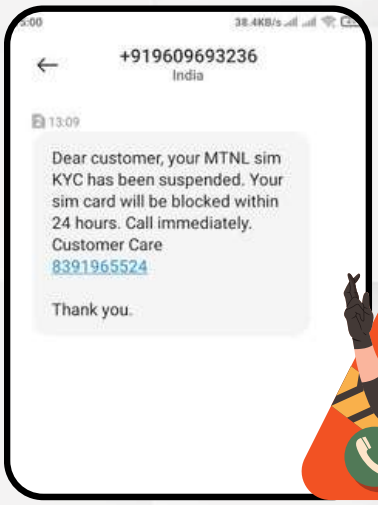

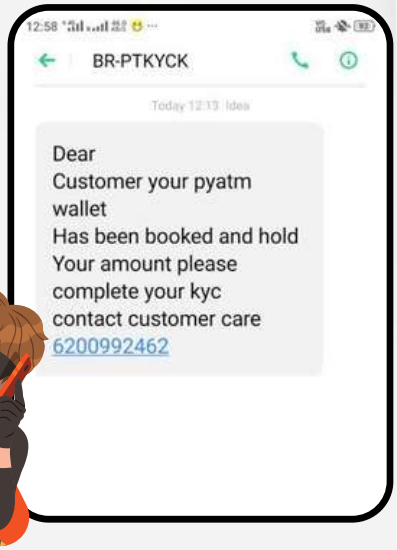

स्कैम करने वाला सोशल मीडिया, बैंक डेटा, ऑनलाइन आवेदन फॉर्म जैसे विभिन्न स्रोतों से **फोन नंबर, जन्म तिथि, ई-मेल पते जैसे उपयोगकर्ताओं की जानकारी** एकत्र करते हैं और अपने पंजीकृत बैंक या कंपनी की ओर से एक **नकली कॉल** करते हैं या ऊपर दिखाए गए पोस्टर की तरह संदेश के माध्यम से आपको कॉल के लिए प्रेरित करते है ।

इसके बाद यूजर से **बैंक डेटाबेस को अपडेट** करने के लिए उनकी KYC की जानकारी के बारे में पूछा जाता है एक बार जब उपयोगकर्ता सहमत हो जाता है, तो उन्हें एक **फर्जी लिंक पर क्लिक करने या स्क्रीन शेयरिंग ऐप जैसे एनी डेस्क या टीम व्यूअर** या अन्य इसी प्रकार का ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है और फिर **KYC अपडेट पूरा करने के लिए OTP कोड माँगा** जाता है, या स्कैमर स्क्रीन शेयरिंग ऐप से बिना आपसे कोड मांगे आपका OTP कोड एक्सेस कर लेता है और फिर **कुछ क्षणों में आपका अकाउंट खाली** हो जाता है।

KYC फ्रॉड के विभिन्न तरीके

स्मिशिंग (Text Message के माध्यम से)

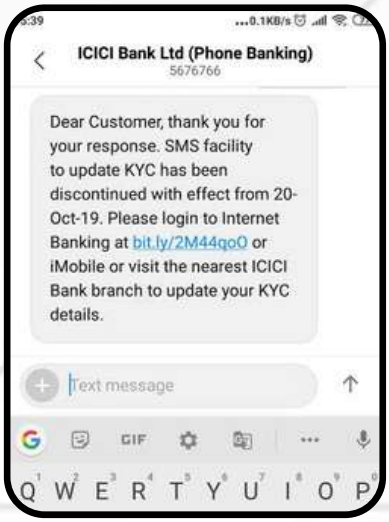

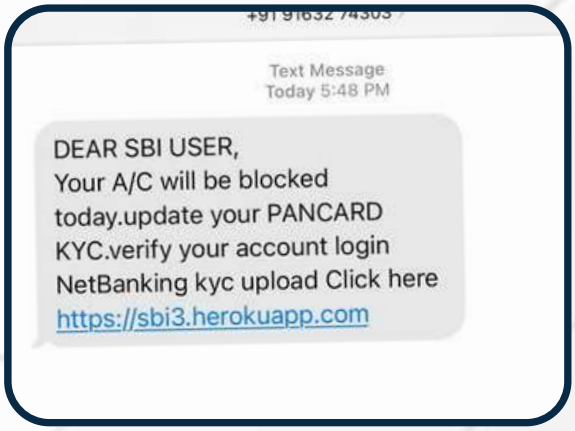

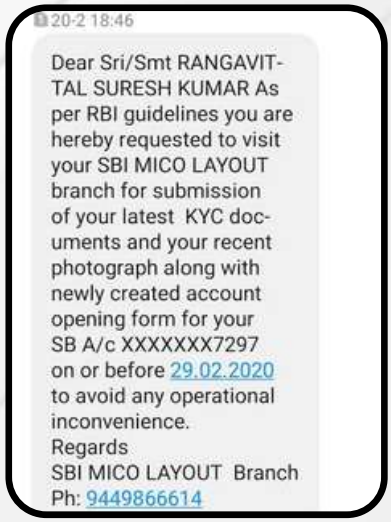

- इस तरीके में फ्रॉड करने वाला स्कैमर, बैंक या कम्पनी के प्रारूप पर आधारित उपयोगकर्ता को **एक फर्जी लिंक के साथ संदेश भेजता है** जैसा कि ऊपर पोस्टर में दिखाया गया है।

- अब आप **जैसे ही उस लिंक पर क्लिक करते है**, अपने मोबाइल का पूरा एक्सेस उस स्कैमर के हाथ में दे देते हैं और जबतक आप कुछ समझ पाते है तब तक **आपके बैंक की संपूर्ण राशि शून्य हो जाती है।**

सच्ची घटना पर आधारित

हम लोग अब सच्ची घटनाओं पर आधारित छोटी-छोटी कहानियों के माध्यम से KYC फ्रॉड को समझने का प्रयास करते है।

अभिनेत्री-राजनीतिज्ञ नगमा जी के साथ केवाईसी धोखाधड़ी में एक लाख रुपये की ठगी हुई, आगे इसे हमलोग कहानी के माध्यम से समझने का प्रयास करेंगे, क्या गलतियां हुई, किस प्रकार हमे सावधान रहना चाहिए।

राजस्थान के श्री गंगानहर के निवासी पवन कुमार सोनी जी जिनकी उम्र लगभग 55 साल है और पेशे से वो किसान हैं उनके साथ भी KYC के नाम पर फ्रॉड हुआ, क्या हुआ, कैसे हुआ, कैसे सावधानी बरतनी चाहिए हम आगे समझने का प्रयास करेंगे।

कहानी 1

सच्ची घटना पर आधारित

ये घटना है बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री नगमा जी की जिनके मोबाइल पर एक दिन किसी बैंक से संदेश आता है, जिसमे लिखा होता है -

नगमा जी को लगता है, वास्तव में ये बैंक से मैसेज है और वो मैसेज में दिए गए लिंक पर क्लिक कर देती है।

1

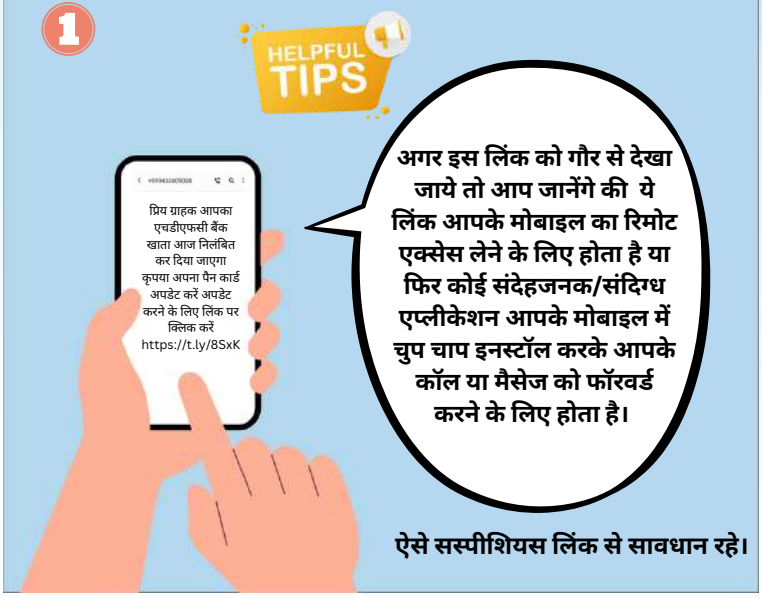

ऐसे सस्पीशियस लिंक से सावधान रहे।

लिंक पर क्लिक करते ही थोड़ी देर बाद उन्हे एक स्कैमर का कॉल आता है।

2

इसके पश्चात स्कैमर बेनिफिशियरी अकाउंट बनाकर उनके अकाउंट से लगभग एक लाख रुपये दूसरे बैंक में ट्रांसफर कर देता है।

3

जबतक वो कुछ समझ पाती उनके अकाउंट से 99,998 रुपये कट चुके होते है।

4

इस तरह की जरा सी लापरवाही/जागरूकता के अभाव में नगमा जी के हजारों रुपए पल भर में साइबर धोखेबाजों ने उड़ा दिए , अत: आपको प्रतिपल सतर्क रहने की जरूरत है। आप सरकार और बैंको द्वारा जारी की गए के दिशा निर्देशों का ध्यान से पालन करे और हमारे द्वारा बताये गए साइबर सुरक्षा के उपायों को भी समझ कर भी साइबर अपराध होने से बचा जा सकता है।

कहानी 2

सच्ची घटना पर आधारित

ये घटना है राजस्थान के श्री गंगानहर के निवासी पवन कुमार सोनी जी, जिनकी उम्र 55 साल है और वो पेशे से किसान हैं।

बेटा हर्षवर्धन दिल्ली के द्वारका में रहता है।

हर्ष का मोबाइल नंबर उसके पिता के अकाउंट से जुड़ा हुआ है, जिस वजह से उसके फोन पर बैंक से संबंधित SMS आते रहते हैं।

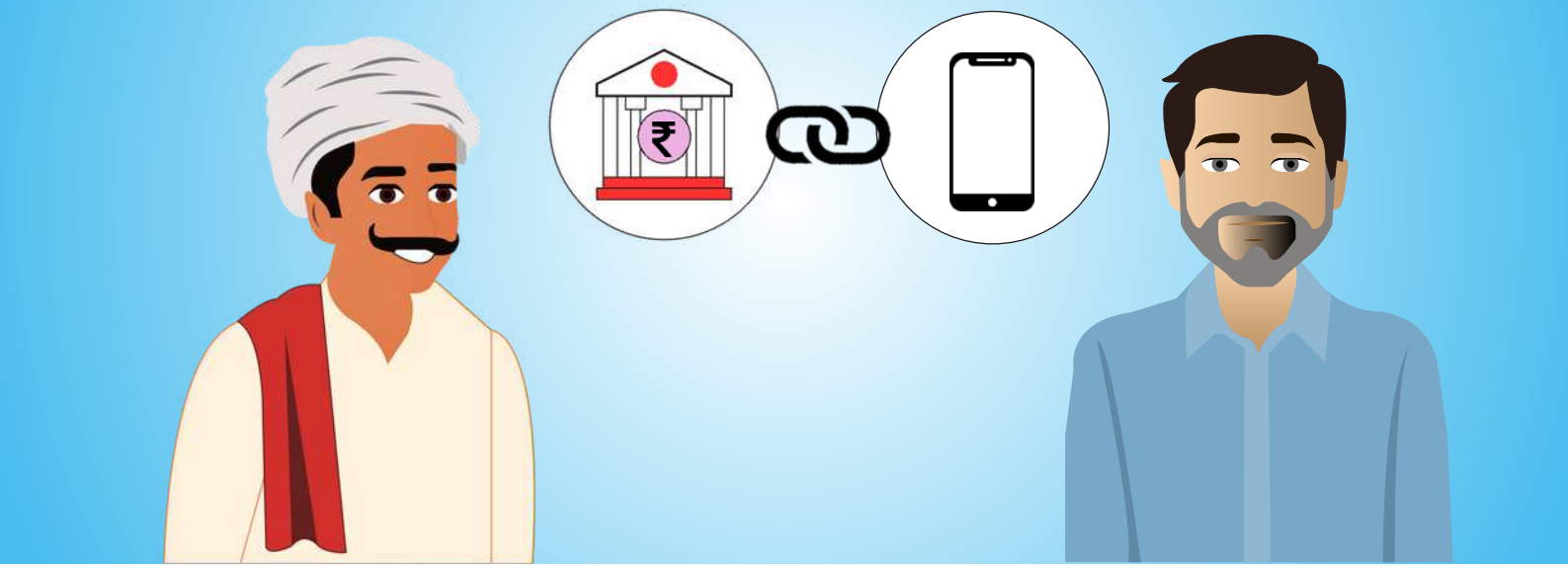

ऐसा ही एक एसएमएस 7 जनवरी को हर्ष के फोन पर आता हैं, जो देखने में बिल्कुल उनके एसबीआई बैंक जैसा लग रहा था और मैसेज में KYC अपडेट करने के लिए कहा जाता हैं।

हर्ष को लगा अगर KYC तुरंत अपडेट नहीं किया तो बैंक अकाउंट बंद हो जायेगा और पिता जी को बैंक से पैसे लेन-देन में दिक्कत हो जाएगी, उसने बिना समय गवाए तुरंत ही संदेश में दिए लिंक पर क्लिक कर दिया और उसके फोन में SBI Yono नाम का एक फर्जी (फिशिंग) ऐप डाउनलोड हो गया।

उनके फोन में पहले से ही SBI Yono ऐप डाउनलोड था लेकिन उनको लगा की ये नया वर्जन होगा

इसके बाद हर्षवर्धन ने बिना समय गवाए उस ऐप पर लॉगिन करके KYC अपडेट की प्रक्रिया पूरी की।

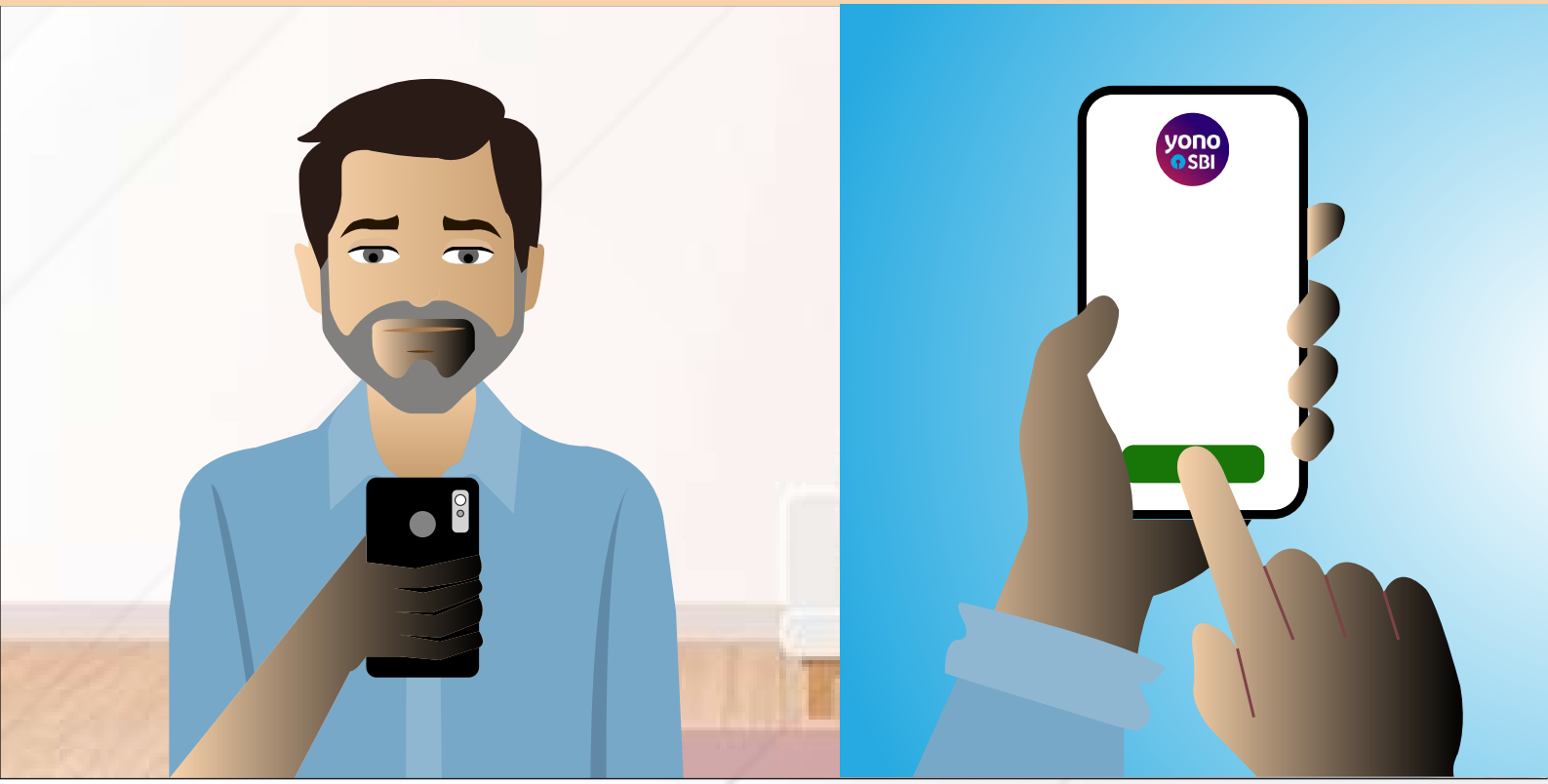

थोड़ी ही देर बाद उनके फोन से एक के बाद एक कई ट्रांजेक्शन होने शुरू हुए।

और देखते ही देखते 4 लाख रुपए उनके अकाउंट से कट गए।

ये सब होने के बावजूद हर्ष घबराये नहीं, उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी अपने पिता जी को दी और उन्हें बैंक जाकर हुई ट्रांजेक्शन्स को रिवर्स करने के लिए आग्रह किया।

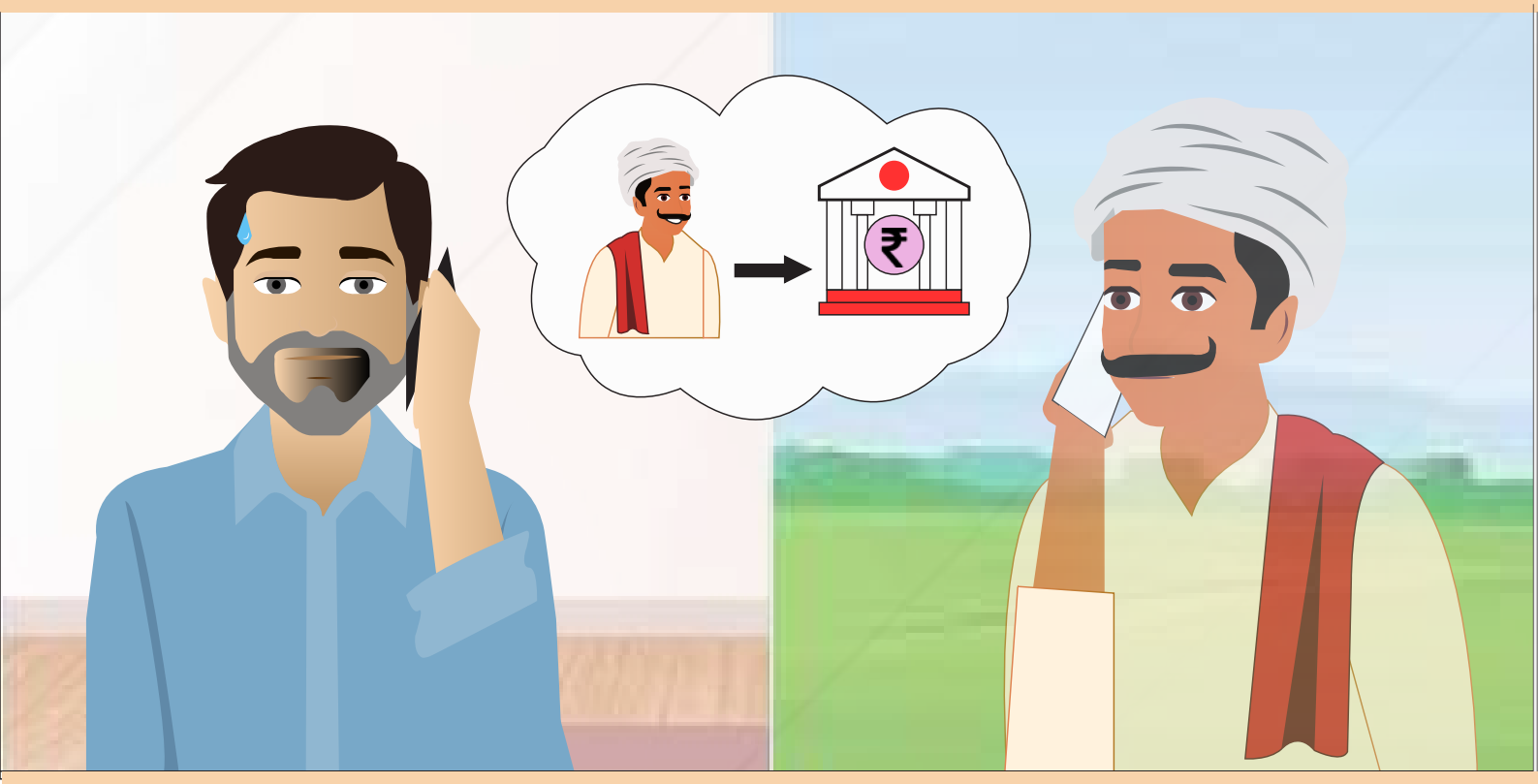

बिना समय गवाएं हर्ष ने तुरंत 1930 पर कॉल करके व जिला साइबर सेल द्वारका में इसकी शिकायत दर्ज कराई।

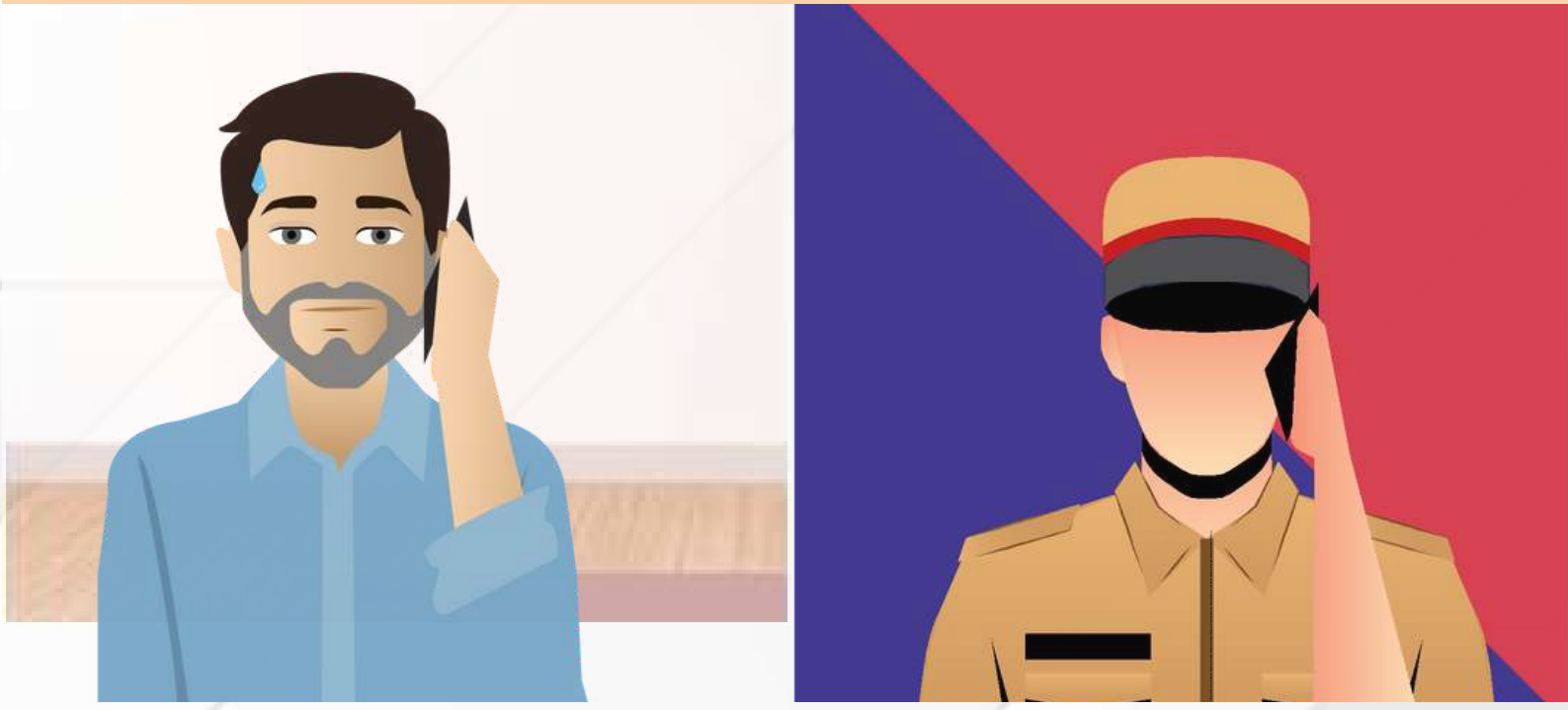

वहीं हर्ष के पिता ने बैंक से संपर्क किया। बैंक मैनेजर ने इस पूरे मामले की जानकारी लोकल साइबर सेल को दी.

मैनेजर ने बताया कि उनके अकाउंट से तीन अलग-अलग बैंक में ट्रांजेक्शन हुए हैं।

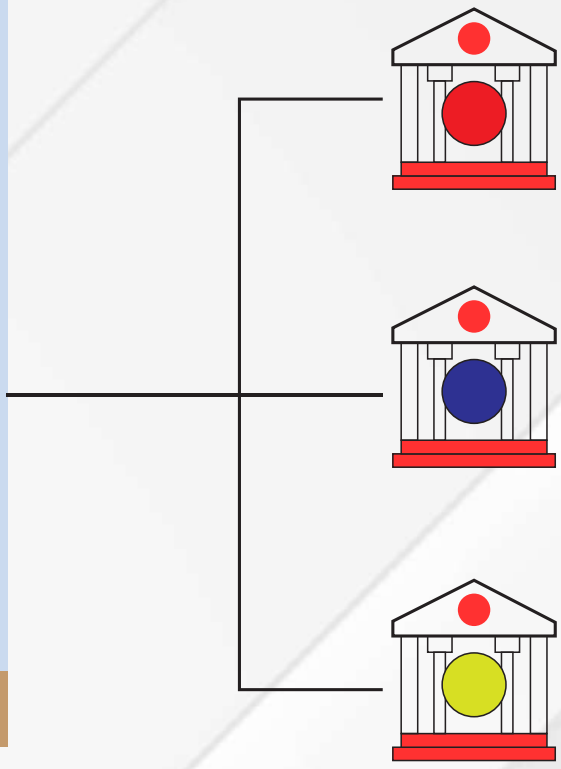

साइबर सेल और बैंक की मदद से हर्ष को 6.24 लाख रुपये वापस मिल गए, लेकिन लगभग दो लाख रुपये उन्हें वापस नहीं मिले।

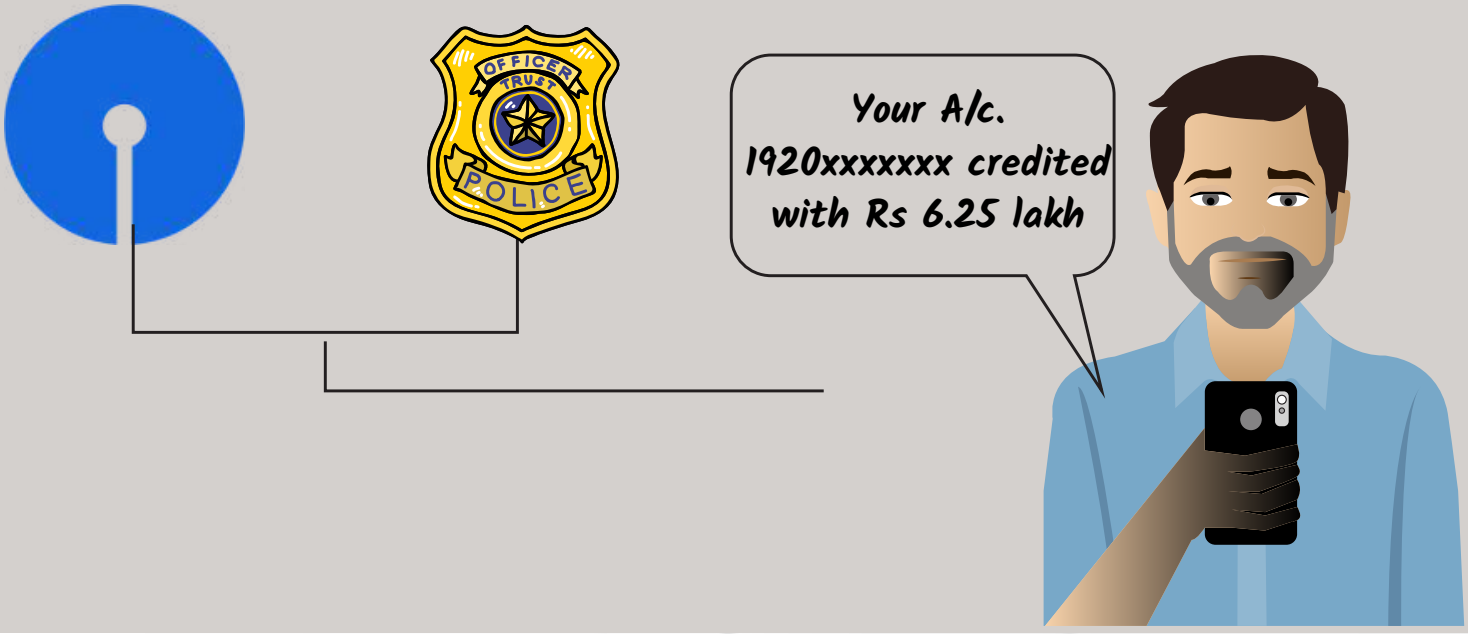

तो आपने देखा हर्ष की सूझ बूझ से उन्हे 75% से अधिक धनराशि वापस मिल गया।

परंतु पैसे मिलने वाले केस बहुत कम है और जिनको मिलते है, वो उनकी समझदारी और साइबर अपराध के प्रति जागरुकता का नतीजा है।

तो आप अगले शिकार न बने इसके लिए आने वाले अगले पृष्ठ से दिए सावधानियों को ध्यान से पढ़े और अपने परिवार और दोस्तों को भी जरूर बताये।

साइबर सुरक्षा टिप्स

किसी भी अनजान नंबर/ईमेल से भेजे गए लिंक पर कभी भी क्लिक न करें।

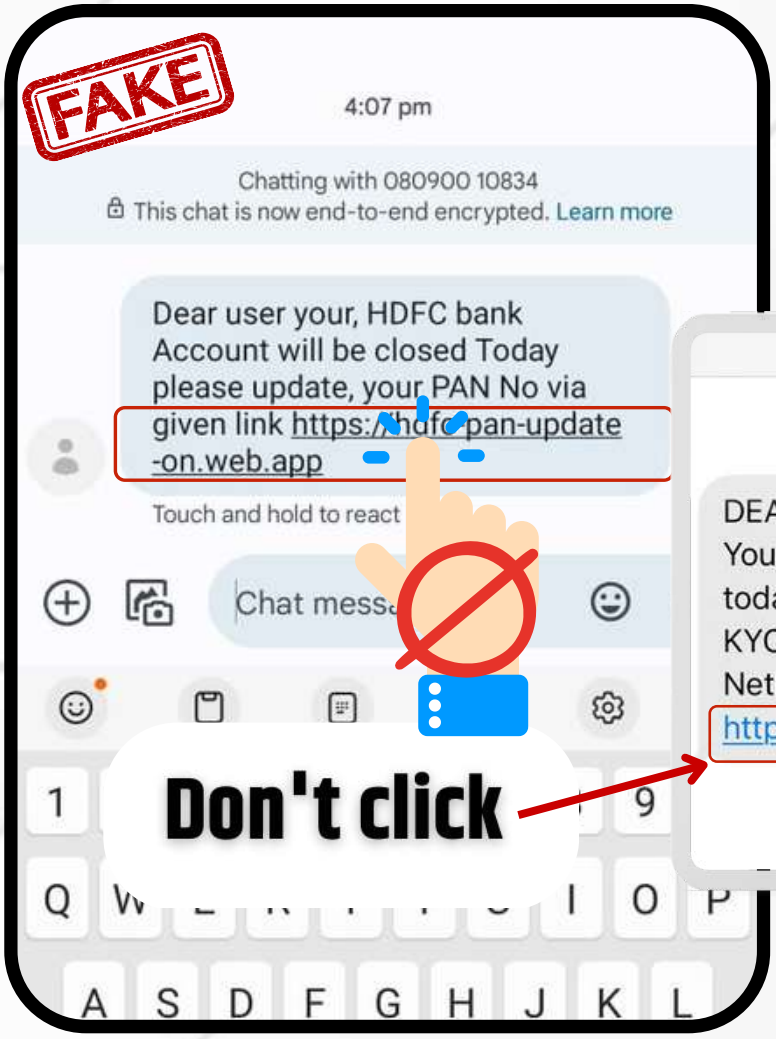

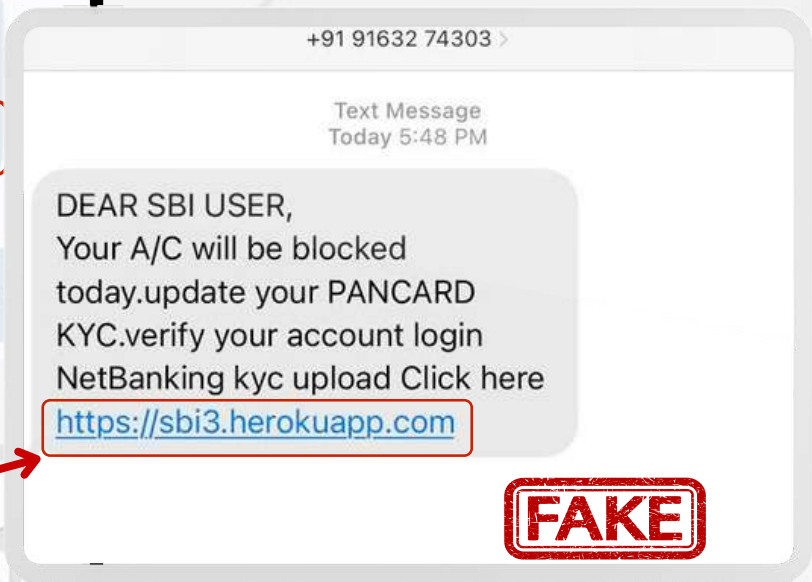

बैंक कभी भी लिंक/कॉल/ईमेल के माध्यम से केवाईसी अपडेट करने के लिए नही कहता है, हमेशा KYC अपने नजदीकी बैंक के ब्रांच में ही जाकर अपडेट करवाये।

साइबर सुरक्षा टिप्स

बैंक कभी भी 10 digit के नंबर से SMS/Call नही भेजता और करता है ।

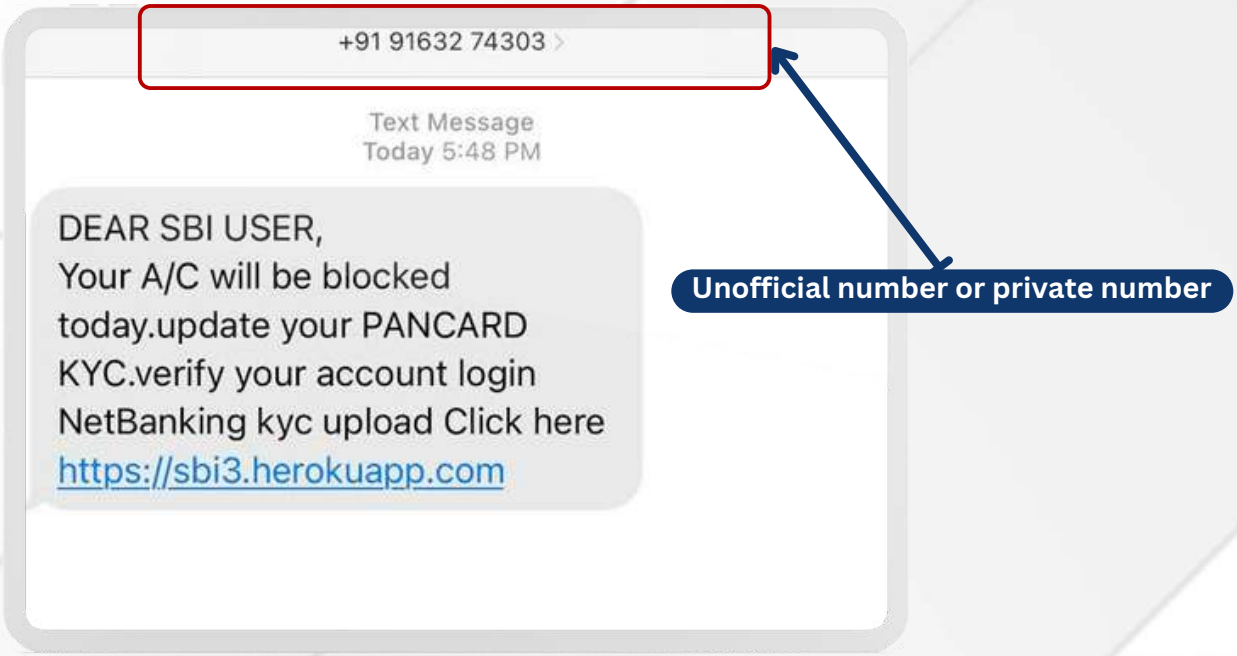

बैंक अपने आधिकारिक आईडी से ही संदेश भेजता है, जैसे- AD - UnionB, BA- SBIDGT, HDFCBK, इत्यादि।

Bank details जैसे OTP, CVV, customer ID, UPI pin इत्यादि किसी भी व्यक्ति चाहे वो बैंक का कर्मचारी ही क्यों न हो, के साथ साझा न करे।

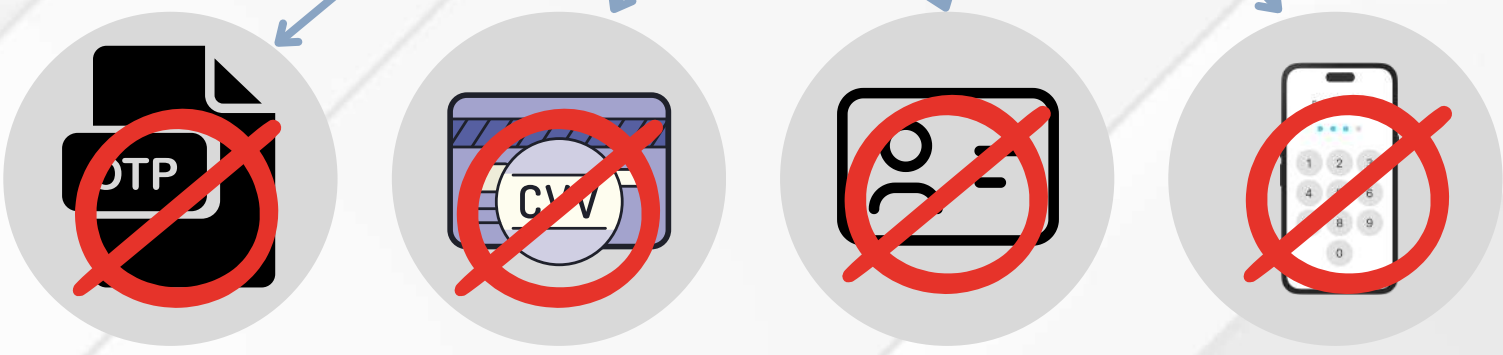

साइबर सुरक्षा टिप्स

किसी भी लिंक अथवा किसी व्यक्ति के कहने मात्र से कोई भी application download ना करे

ApowerMirror

AnyDesk

TeamViewer

Baixar RemoDroid APK

इस तरह के एप्लीकेशन से आपके मोबाइल का पूरा ब्यौरा किसी अन्य के हाथ में चला जाता है, चाहे वो मोबाइल में रखी प्राइवेट फोटो हो या कोई व्यक्तिगत जानकारी।

किसी ऐप को डाउनलोड करने के लिए हमेशा ट्रस्टेड सोर्स- Google Play Store या Apple App Store या ऑथेंटिक वेबसाइट का ही इस्तेमाल करें।

साइबर सुरक्षा टिप्स

यदि कोई भी संदेश आपको प्राप्त हो जो आवश्यक भी लगे परंतु संदेहजनक भी तो आप कॉलकम से संपर्क कर उसकी जानकारी ले सकते है।

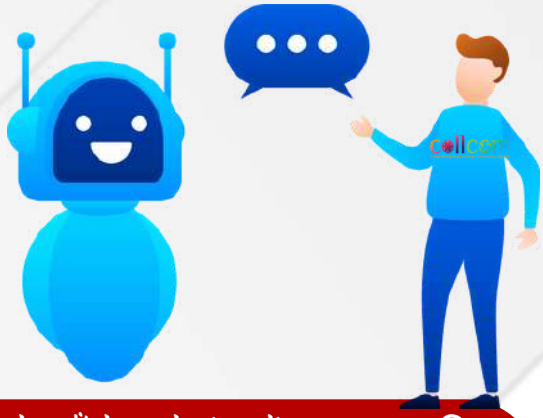

आपको यहाँ से अपने शंकाओं का समाधान मिल सकता हैं और साथ ही आप हमारे साथ मिलकर लोगो को सशक्त और जागरूक बनाने के लिए भी वालंटियर या इंटर्न बनकर काम कर सकते हैं ।

Join us a **Volunteer** or **Intern**,
Type **Join** and send it on **WhatsApp**

+91-9868189955

नि:शुल्क ऑनलाइन साइबर प्रशिक्षण

- आजकल इसी प्रकार से अनेकों साइबर अपराध तेजी से प्रसारित हो रहे, जिसे देखते हुए हमने आपके लिए बिल्कुल फ्री में साइबर प्रशिक्षण महा-अभियान चलाया है जिसमे आप ऐसे साइबर अपराध से बचने के तरीको के बारे में सीख पाएंगे।

- साथ ही एक आकर्षक सर्टिफिकेट भी प्राप्त होगा।

यदि आपने अभी तक इस प्रशिक्षण में भाग नही लिया तो एक बार अवश्य ले।

- हिंदी में साइबर प्रशिक्षण- https://forms.gle/AJajaozGwTjLPExC7

- Cyber Training in English- https://forms.gle/8LyAQPWPucn8LHir8

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

यदि आप इस तरह के फ्रॉड के शिकार हो जाते है तो तुरंत ही आप सभी chat, भेजे गए डॉक्यूमेंट, और भेजे गए पैसों के स्क्रीन शॉट के साथ www.cybercrime.gov.in or 1930 पर संपर्क कर घर बैठे बैठे अपनी शिकायत दर्ज करे। ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने के लिए आपको साइबर पुलिस स्टेशन जाने की जरूरत नहीं होती है।

शिकायत दर्ज करने के लिए यहां क्लिक करे और आगे के चरण का अनुसरण कर अपनी शिकायत दर्ज करे।

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

अगर आपको ऑनलाइन शिकायत करने में समस्या आती है तो आप अपने शहर के नजदीकी साइबर सेल में भी अपनी शिकायत दर्ज कर सकते है ताकि आपको जल्द से जल्द समाधान मिल सके।

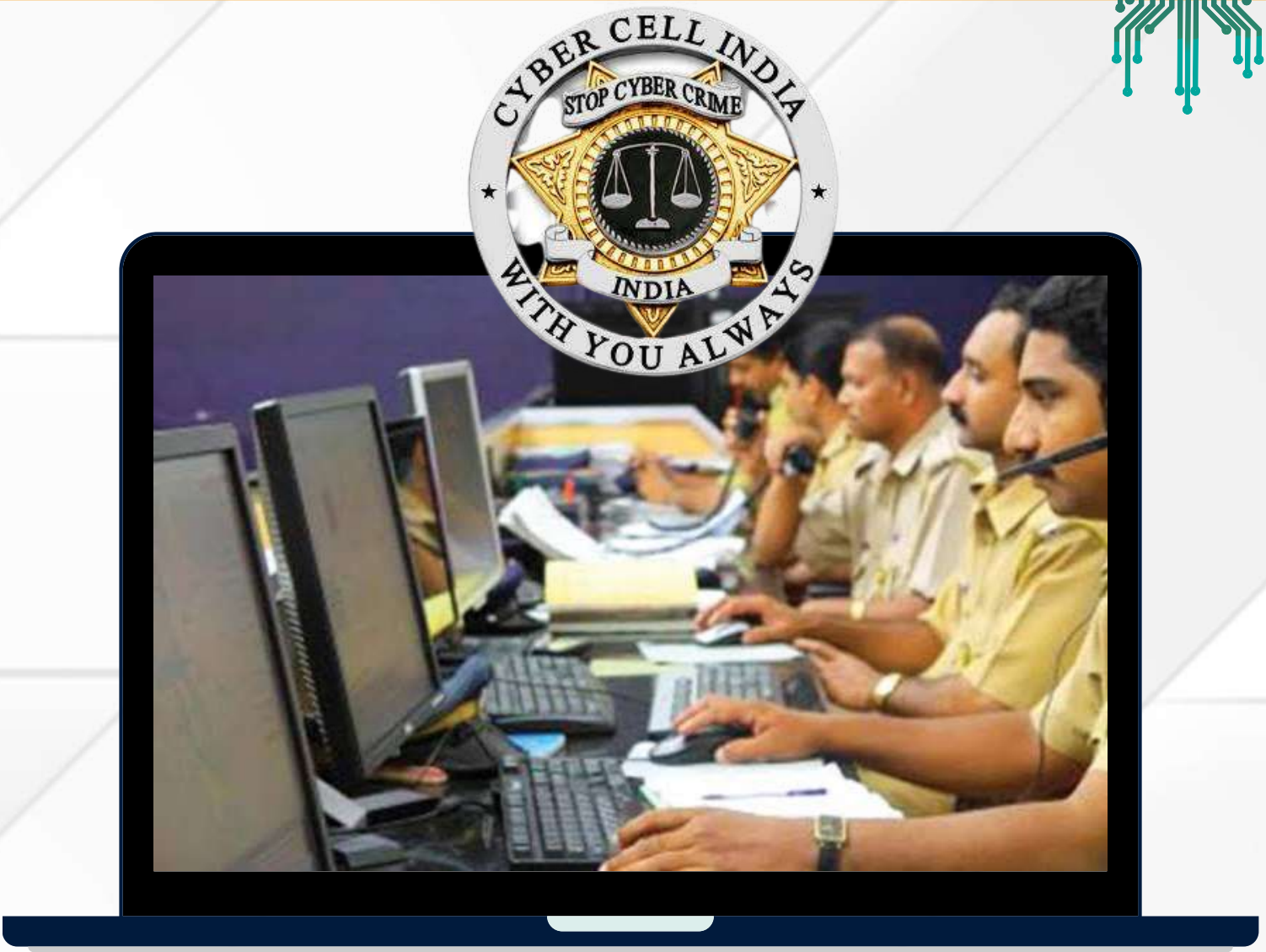

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

संबंधित बैंक में जाकर/हेल्पलाइन नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज करे।

(नीचे कुछ बैंक के हेल्पलाइन नंबर दिए है।)

Union Bank - 1800222244

SBI- 1800 11 221

ICICI - 1860 120 777

HDFC - 1800 258 616

Axis - 1860 419 5555171

ध्यान रहे ! हेल्पलाइन नंबर कभी गूगल पर सर्च न करे, संबंधित official website से ही प्राप्त करे ।

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

RBI कहता है..

फ्रॉड होने की स्थिति में अपने बैंक को तुरंत सूचित करें। अधिक जानकारी के लिए 14440 पर मिस्ड कॉल दें।

अगर आपके **बैंक खाते से किसी ने धोखे से पैसे** निकाले हैं तो इसकी सूचना तुरंत अपने बैंक को दें। जब आप बैंक को सूचित करते हैं, तो अपने बैंक से **पावती (acknowledgement)** लेना याद रखें।

यदि लेन-देन आपकी लापरवाही के कारण हुआ है, यानी आपके द्वारा अपना पासवर्ड, पिन, ओटीपी आदि साझा करने के कारण, आपको तब तक नुकसान उठाना पड़ेगा जब तक आप अपने बैंक को इसकी सूचना नहीं देते।

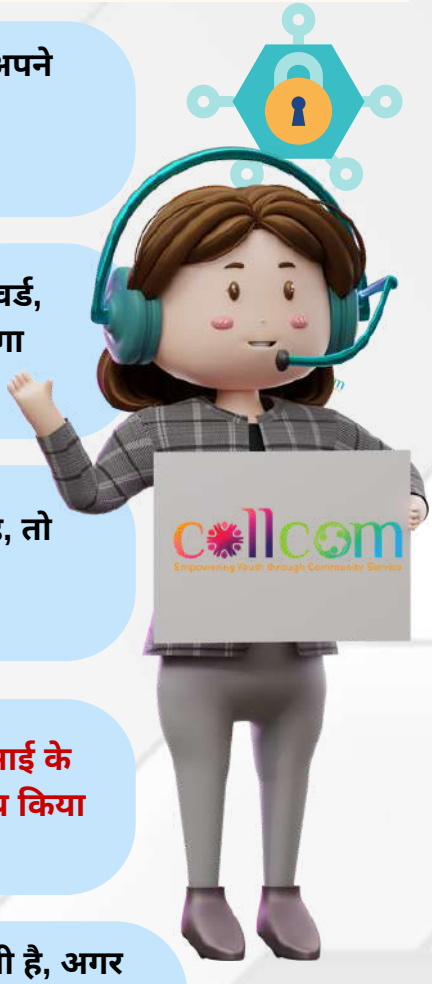

यदि आपके द्वारा बैंक को सूचित करने के बाद भी कपटपूर्ण लेन-देन जारी रहता है, तो आपके **बैंक को उन राशियों की प्रतिपूर्ति करनी होगी।**

यदि आप रिपोर्टिंग में देरी करते हैं, तो आपका घाटा बढ़ जाएगा और यह **आरबीआई के दिशानिर्देशों और आपके बैंक के बोर्ड द्वारा** अनुमोदित राशि **नीति के आधार पर तय किया जाएगा।**

बैंक को आपकी शिकायत प्राप्ति की तारीख से **90 दिनों के भीतर सुलझानी** होती है, अगर **समाधान न होने पर या संतोष जनक जवाब न मिलने पर** शिकायतकर्ता बैंक की **शिकायत बैंक के ओम्बड्समैन** को भी कर सकता है। इसकी जानकारी आप यहाँ से (RBI) ले सकते है।
https://rbi.org.in/scripts/FAQView.aspx?Id=24

collcom
Empowering Youth through Community Service

सावधान रहें सुरक्षित रहे!

अपने मित्रों व रिश्तेदारों के साथ इस मैगज़ीन को शेयर जरूर करे ।

हमसे लगातार साइबर अपडेट्स पाने के लिए इस QR कोड को स्कैन कर, और हमारे आधिकारिक चैनल/ग्रुप को सब्सक्राइब करे।

SUBSCRIBE

WhatsApp

Telegram

Click to Check Out some interesting video on YouTube

https://www.youtube.com/@collcom

For volunteering, Type **Join** and Send it on **WhatsApp +91-9868189955**

संस्थापक के बारे में

DR GAURAV KUMAR

(Founder and Director of CollCom, Asst Prof at Bennett University, Greater Noida)

डॉ गौरव वर्तमान में बेनेट विश्वविद्यालय (टाइम्स ग्रुप), ग्रेटर नॉएडा, उत्तर प्रदेश में कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। वह एक सामाजिक उद्यमी और CollCom (कॉलेज कम्युनिटी सोशल वेंचर) के संस्थापक और राष्ट्रीय सेवा योजना बेनेट विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी भी है।

डॉ कुमार हमारे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से कंप्यूटर विज्ञान में एम.टेक और पीएचडी पूरी की है। अपनी शिक्षा के दौरान, वह सामाजिक गतिविधियों में काफी सक्रिय थे जैसे स्लम बस्ती में बच्चों को पढ़ाना, Waste मैनेजमेंट, वृक्षारोपण अभियान, रक्त दान, स्वास्थ्य, योग और फिटनेस के लिए सभी को जागरूक करना जैसे विषय पर काफी काम किया है।

उनके इस अथक प्रयास के लिए उन्हें विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक पुरस्कार और मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी (बेस्ट वालंटियर अवार्ड) का पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

कोविड के समय में डॉ कुमार शांत नहीं बैठे। उन्होंने प्लाज्मा और ऑक्सीजन सपोर्ट के लिए लोगों की मदद करने का काम शुरू किया। उन्होंने देखा हर व्यक्ति बच्चा से बूढ़ा सभी लोग अपने दैनिक कार्य करने के लिए इंटरनेट पर निर्भर होते जा रहे है। जल्द ही, उन्हें इंटरनेट की दुनिया में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराध के बारे में जागरूकता की कमी के महत्व का एहसास हुआ।

उन्होंने साइबर अपराध जागरूकता पर एक मेगा अभियान शुरू किया। उन्होंने विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों (ऑफ़लाइन और ऑनलाइन) का दौरा करना शुरू किया और साइबर अपराध जागरूकता पर 35 से अधिक कार्यशालाएँ की। उन्होंने एक छोटा और बहुत ही अभिनव ऑनलाइन सेल्फ गाइड साइबर क्राइम अवेयरनेस ट्रेनिंग मॉड्यूल विकसित किया, जिसमें अभी तक 52,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया और लाभान्वित हुए।

उनका लक्ष्य अगले दो वर्षों में हमारे देश के 10 लाख लोगों को इंटरनेट की दुनिया में सशक्त बनाना है।

संपादक के संदेश..

MR. PRITESH MISHRA

(National Coordinator, CollCom)

किसी व्यक्ति के साथ फ्रॉड होने का अर्थ ये कदापि नही है की वो शिक्षित नही है, केवल सीधा सा अर्थ है वो उस बात से अनभिज्ञ / जागरूक नही था। अत फ्रॉड होने के स्थिति में आप सबसे पहले जरा भी न घबराए, परिवार वाले डाटेंगे या मित्र क्या कहेंगे ? ये कदापि न सोचे या कोई भी गलत फैसला न ले, समय रहते यदि आप शिकायत दर्ज करवा देते है तो आपके पैसे मिलने के अवसर बढ़ जाते है।

अब तो RBI के दिशा निर्देश के अनुसार आप फ्रॉड होने के तुरंत बाद यदि अपने संबंधित बैंक में शिकायत दर्ज कराते है तो वो आपको 90 दिन के भीतर ही आपकी समस्या सुलझा देते है। परंतु आप को यहां तक पहुंचने की आवश्यकता ही क्या है बस थोड़ी सी सावधानी के साथ आप अपने और अपने से संबंधित लोगो को साइबर अपराध से बचा सकते है।

एक फ्रॉडस्टर आपसे OTP और pin को निकलवाने के विभिन्न तरीके अपनाता है, आप देखेंगे कि अंततोगत्वा वो आपसे पैसे की मांग करते है, चाहे वो रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में हो या कंपनी से जुड़ने के आईडी कार्ड बनानी हो, बस आपको यही समझना है की किसी भी नौकरी से जुड़ने के लिए आपको किसी भी प्रकार से पैसे देने की आवश्यकता नही होती है।

समय समय पर आपको साइबर से संबंधित जानकारी हम अपने ऑफिशियल वेबसाइट/सोशल मीडिया/यूट्यूब वीडियो के माध्यम से साझा करते रहेगें।

जागरूक रहे सुरक्षित रहे !

सलाहकार सदस्य

Dr Anil Kumar Singh
(Asst. Professor, SLL&CS, Jawaharlal Nehru University)

Shri Anshumali Sharma
(State Liason Officer (SLO) Nataional Service Scheme, Uttar Pradesh)

Dr. Sanjeev Sharma
(Associate Professor, Dr Ambedkar International Centre, New Delhi)

Shri Gautam Kumar
(Executive Engineer, WRD, Govt of Bihar)

Shri Amrish Kumar Niranjan
(Youth Assistant, NSS, Delhi)

Shri Sintoo Kumar
(TGT Teacher, Govt of Delhi)

Shri Satya Kumar
(CEO and Director, Jetex Private Limited)

Shri Ranjan Kumar
(Senior Product Manager, Microsoft)

कार्यकारी सदस्य

Dr Gaurav Kumar
(Founder and Director, CollCom)

Mr Priteesh Kumar
(Asst. Director, CollCom)

Mr Pritesh Mishra
(National Coordinator, CollCom)

Mr Sumit Kumar
(State Coordinator, CollCom)

Ms Shweta Kumari
(Social Media Head, CollCom)

प्रशिक्षु जिन्होंने इस मैगजीन में अपना योगदान दिया है।

Kavya Gudipati
(Graphics designer Intern, CollCom)

Mr Kishan Sisodiya
(Content Writer Intern, CollCom)